EDII

Jagran (Hindi)

October 16, 2023
Page No. III

गांव की महिलाओं को ड्रोन पायलट बनाएगा एकेटीयू

एकेटीयू में स्टार्टअप संवाद- 2.0 में 55 स्टार्टअप ने किया प्रदर्शन, राज्यपाल ने बढ़ाया छात्र-छात्राओं का हौसला

जागरण संवाददाता, लखनऊ: प्रदेश के हर गांव में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को ड्रोन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) और उससे जुड़े कालेज इसे आगे बढ़ाएंगे। रविवार को एकेटीयू में इनोवेशन दिवस के मौके पर आयोजित स्टार्टअप संवाद- 2 में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बताया कि महिलाएं ड्रोन की ट्रेनिंग लेंगी तो इसका लाभ किसानों को भी मिलेगा। उन्होंने छात्रों और स्टार्टअप से जुड़े लोगों का हौसला बढ़ाया। यहां कृषि, तकनीकी, स्वास्थ्य सहित सर्विस से जुड़े स्टार्टअप की प्रदर्शनी लगाई गई थी।

राज्यपाल ने कहा कि देश स्टार्टअप और नवाचार में आगे बढ़ रहा है। यूनिकार्न कंपनियों की संख्या 100 के पार हो गई है। सरकार की विश्वकर्मा योजना का जिक्र करते हुए कहा कि हर विश्वविद्यालय को पांच-पांच गांवों को चुनकर वहां के लोगों को इस योजना के लिए प्रशिक्षित करना चाहिए। राज्यपाल ने स्टार्टअप प्रदर्शनी का जायजा भी लिया। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के महानिदेशक डा. सुनील शुक्ला ने कहा कि उद्यमिता संस्थान विश्वविद्यालयों में स्टार्टअप के लिए छात्रों को प्रशिक्षित भी कर रहा है। कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को ड्रोन पायलट बनाने का जो टास्क मिला है, उसे विश्वविद्यालय पूरा करेगा। केंद्र सरकार की ओर से स्वयं सहायता से जुड़ी महिलाओं को ड्रोन उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के माध्यम से महिलाओं को ड्रोन पायलट की ट्रेनिंग दी जाएगी।

कार्यक्रम को संबोधित करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व प्रतिभागी से स्टार्टअप की जानकारी लेते मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र • जागरण

इससे पहले सत्र में मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने कहा कि हमें अपने आइडिया को स्टार्टअप और फिर सफल बिजनेस माडल के रूप में विकसित करना होगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव एमएसएमई अमित मोहन प्रसाद ने कहा कि स्टार्टअप जोखिम लेने का काम है। इसमें कुछ नया और अलग करने का जज्बा रखना चाहिए। प्लानिंग विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहा शैक्षणिक संस्थानों से ही नहीं, ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले भी स्टार्टअप अपना रहे हैं। यूपी इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन की प्रबंध निदेशक नेहा जैन ने स्टार्टअप को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। धन्यवाद देते हुए वित्त अधिकारी सुशील कुमार गुप्ता ने कहा कि स्टार्टअप की योजना प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए महत्वपूर्ण होगी। संचालन अनुज कुमार शर्मा ने किया।

कंपनियों से करार, कलाम परिक्रमा लांच: पूर्व राष्ट्रपति डा. कलाम की जयंती पर आयोजित इनोवेशन डे पर एकेटीयू ने आइ हब गुजरात, काउंसिल फार साइंस एंड टेक्नोलाजी, यस बैंक, वी फाउंडर सर्किल, वाधवानी फाउंडेशन, हेडस्टार, रोमिंग सेल्स प्राइवेट लिमिटेड, कागनिफी वेंचर्स से एमओयू किया गया। साथ ही कलाम परिक्रमा लांच की गई। इसके तहत प्रदेश के स्टार्टअप से जुड़े युवाओं की तलाश होगी।

ग्रास रूट स्टार्टअप

- विजेता- राजकुमार मिश्रा, गोंडा- एक लाख रुपये
- प्रथम रनरअप- प्रिंस कुमार, मीरजापुर- 75 हजार रुपये
- सेकेंड रनरअप- रोहित कुमार, मीरजापुर- 50 हजार रुपये
- सांत्वना पुरस्कार- आर्यन प्रसाद, मीरजापुर- 25 हजार रुपये
- सुभाष पटेल, मीरजापुर-25 हजार रुपये

स्टार्टअप

- विजेता- प्लांटेक इनोवेशन- एक लाख रुपये
- प्रथम रनरअप- गितांशी इंटरप्राइजेज- 75 हजार रुपये
- सेकेंड रनरअप- नेक्स्टअप रोबोटिक्स प्राइवेट लिमिटेड- 50 हजार रुपये

पिता संग तीन बेटियों ने तैयार की सोलर चालित ईंट पकाने की मशीन

माडल के बारे में बताते सुभाष चंद अपनी बेटियों के साथ • जागरण

एकेटीयू में इनोवेशन डे पर स्टार्टअप संवाद- 2.0 में मीरजापुर के सुभाष चंद्र सोलर चालित मशीन से ईंट पकाने की तकनीकी का प्रदर्शन किया। उनके साथ उनकी तीन बेटियां भी इस स्टार्टअप को आगे बढ़ा रही हैं। बड़ी बेटी अमृता एम.एस.सी. फिजिक्स हैं, अंजली बी. काम. थर्ड ईयर और आकांक्षा बी.एस.सी. की पढ़ाई कर रही हैं। सुभाष ने सोलर सिस्टम से ईंट पकाने का जो माडल बनाया है, उसके लिए उनके पास फंड की व्यवस्था नहीं है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जब उनके माडल को देखा और उनकी तीनों बेटियों ने बताया कि इस तरह से माडल से भट्ठे से फैलने वाले प्रदूषण को पूरी तरह से रोका जा सकता है। राज्यपाल ने तुरंत यस बैंक के अधिकारियों को बुलाकर इस प्रोजेक्ट को देखने और वित्तीय मदद करने के लिए कहा।

चिड़िया को मरते देखा तो एसी की हीट वेव को रोका

एसएसजेडी इंटर कालेज लखनऊ के सातवीं कक्षा के छात्र मो. अनस ने छत पर एयर कंडीशनर के हीट वेव से चिड़ियों को मरते हुए देखा। फिर उसे बचाने के लिए सोचना शुरू किया। उन्होंने एक ऐसा उपकरण विकसित किया जो एयर कंडीशनर के बाहरी यूनिट से निकलने वाली गर्म गैस को ठंडा करके वातावरण को ठंडा कर सकता है। अनस के नवाचार को देखकर राज्यपाल ने उसे राजभवन बुलाया है।

मो. अनस

सेंसर से चलेगी व्हीलचेयर

सरस्वती शिशु मंदिर सूरजकुंड गोरखपुर के 12वीं के छात्र अभिषेक चौधरी ने मल्टी फंक्शनल व्हील चेयर बनाई है। इसकी कोडिंग गूगल से करते हुए आवाज से इसे संचालित करने की सुविधा दी गई है। प्रदर्शनी में कई स्टार्टअप से जुड़े युवा नवाचार तो किया है, लेकिन पेटेंट नहीं कराया है। उनकी ट्रेनिंग एकेटीयू कराएगा।

मल्टी फंक्शनल व्हील चेयर के अभिषेक चौधरी(बाएं)